



एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालय

हाल ही में जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने महाराष्ट्र के नासकि में एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालय (EMRS) के नरिमाण की आधारशाला रखी है।

- प्रस्तावति EMR स्कूल का उद्देश्य नासकि के दूरदराज़ के आदवासी इलाकों में आदवासी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शकिषा सुलभ कराना है।

एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालय:

■ परचिय:

- EMRS पूरे भारत में भारतीय जनजातियों (ST-अनुसूचति जनजाति) के लयि मॉडल आवासीय वदियालय बनाने की एक योजना है। इसकी शुरुआत वर्ष 1997-98 में हुई थी।
- जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा शदि (नासकि) में एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालय की योजना आसपास के आदवासी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शकिषा को बढ़ावा देने के लयि बनाई गई है।
- EMRS में CBSE पाठ्यक्रम का अनुसरण कयिा जाता है।
- न केवल शैक्षणिक शकिषा बल्कि आदवासी छात्रों के सर्वांगीण वकिस पर जोर देते हुए आदवासी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शकिषा प्रदान करने के लयि एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालय वकिसति कयि जा रहे हैं।
- वर्तमान में देश भर में फैले 384 कार्यात्मक स्कूल हैं जो नवोदय वदियालय की तरह ही स्थापति हैं, ये खेल और कौशल वकिस में प्रशकिषण प्रदान करने के अलावा स्थानीय कला एवं संस्कृति के संरक्षण के लयि वशिष अत्याधुनिक सुवधाओं पर ध्यान केंद्रति करते हैं।

■ कवरेज:

- वर्ष 2010 के मौजूदा EMRS दशिा-नरिदेशों के अनुसार, क्षेत्र में 50% एसटी आबादी वाले प्रत्येक एकीकृत जनजातीय वकिस एजेंसी/एकीकृत जनजातीय वकिस परयोजना में कम-से-कम एक EMRS स्थापति कयिा जाना है।
- बजट 2018-19 के अनुसार, 50% से अधिक एसटी आबादी और कम-से-कम 20,000 आदवासी आबादी वाले प्रत्येक ब्लॉक में वर्ष 2022 तक एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालय होगा।

EMRS का उद्देश्य:

- प्रत्येक EMRS में नामांकति सभी छात्रों का व्यापक शारीरिक, मानसकि और सामाजकि रूप से प्रासंगकि वकिस।
- छात्रों को स्कूल से अपने घरों में, अपने गाँव में और अंत में एक बड़े संदर्भ में परविरतन करने के लयि सशक्त बनाने का प्रयास करना।
- कक्षा XI और XII तथा कक्षा VI से X तक के छात्रों को उपलब्ध कराई जाने वाली शैक्षकि सहायता पर अलग-अलग ध्यान देना, ताकि उनकी वशिषिट आवश्यकताओं को पूरा कयिा जा सके।
- वार्षकि व्ययों का समर्थन इस तरह से करना कि करमचारियों को उचित पारशिरमकि प्रदान करना और सुवधाओं के रखरखाव से संबंधति ढाँचे के नरिमाण को बढ़ावा देना जो छात्र जीवन की शकिषा, भौतिक, पर्यावरण और सांस्कृतकि आवश्यकताओं को पूरण करता है।

अनुसूचति जनजातियों के लयि कानूनी प्रावधान:

- असंपृश्यता के खलिाफ नागरकि अधिकार संरक्षण अधनियिम, 1955
- [अनुसूचति जाति और अनुसूचति जनजाति \(अत्याचार नविरण\) अधनियिम, 1989](#)
- पंचायतों के प्रावधान (अनुसूचति क्षेत्रों तक वसितार) अधनियिम, 1996
- [अनुसूचति जनजाति और अन्य परंपरागत वनवासी अधनियिम, 2006](#)

अनुसूचति जनजातियों से संबंधति अन्य पहल:

- जनजातीय सहकारी वपिणन वकिस परसिंघ (TRIFED)
- [जनजातीय स्कूलों के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लयि पहल](#)
- [वशिष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों का वकिस \(PVTGs\)](#)
- [प्रधानमंत्री वन धन योजना](#)

वगित वरष के प्रश्न:

भारत में वशष रूड से संवेदनशील जनजातीय समूहों (PVTGs) के बारे में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2019)

1. PVTGs 18 राज्यों और एक केंद्रशासति प्रदेश में रहते हैं ।
2. स्थरि या घटती जनसंख्या PVTG स्थति नरिधारति करने हेतु एक मानदंड है ।
3. देश में अब तक आधिकारकि तौर पर 95 PVTG अधसूचति हैं ।
4. इरुलर और कोंडा रेडडी जनजातयिों PVTG की सूची में शामिल हैं ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (A) 1, 2 और 3
(B) 2, 3 और 4
(C) 1, 2 और 4
(D) 1, 3 और 4

उत्तर: (C)

- डेबर आयोग ने 1973 में आदमि जनजातीय समूहों (पीटीजी) की एक अलग श्रेणी बनाई जो आदवासी समूहों में कम वकिसति थे । आयोग के अनुसार, अधकि वकिसति और मुखर आदवासी समूह आदवासी वकिस नधिकि बड़ा हसिसा लेते हैं जसिके कारण PVTGs को अपने वकिस हेतु नरिदेशति अधकि धन की आवश्यकता होती है । इस संदर्भ में भारत सरकार ने 1975 में सबसे कमज़ोर आदवासी समूहों को एक अलग श्रेणी के रूप में पहचानने की पहल की जसि आदमि संवेदनशील जनजातीय समूह कहा जाता है ।
- गृह मंत्रालय द्वारा 75 आदवासी समूहों को वशष रूड से संवेदनशील जनजातीय समूहों के रूप में वर्गीकृत कयिा गया है । PVTGs 18 राज्यों और केंद्रशासति प्रदेश अंडमान और नकिोबार द्वीप समूह में रहते हैं । अतः कथन 1 सही है और कथन 3 सही नहीं है ।
- PVTGs के नरिधारण हेतु जनि मानदंडों का पालन कयिा जाता है वे हैं- प्रौद्योगिकी का कृषि-पूर्व स्तर, स्थरि या घटती जनसंख्या, अत्यंत कम साक्षरता और अर्थव्यवस्था का नरिवाह स्तर । अतः कथन 2 सही है ।
- PVTGs की सूची में इरुलर (तमलिनाडु) और कोंडा रेडडी (आंध्र प्रदेश) जनजातयिों शामिल हैं । अतः कथन 4 सही है ।

स्रोत: पी.आई.बी.